Name of contributor	Devnagri	Translitration	Translation English	Translation Hindi	Refrence	Urdu Translation	Corosponding Ayah/Hadees
Awais	न तस्य प्रतिमा अस्ति यस्य नाम महद्यशः	نَ تَسْىَ ڀْرَتِمَا اَسْتِ يَسْىَ نَامَ مَہَدّ يَشَہ	He has no figure (the remembrance of) whose Name (remembrance) is the greatest virtue.	उसकी कोई प्रतिमा नहीं है, उसके नाम (का स्मरण ही) सब से महान यश है ।	(यजुर्वेद 32:3)	اس کی کوئی شبیہ نہیں ہے اس کا ذکر ہی سب سے بڑی نیکی ہے	
Awais	अकायम्	اَ كَايَمْ	He is bodiless	उसका शरीर नहीं है।	यजुर्वेद 40:8	اس کا جسم نہیں ہے	
Awais	अन्धन्तमः प्र विशन्ति येअसम्भूतिमुपासते ,ततो भूयअइव ते तमो यअउ सम्भूत्याम् रताः	اَنْدھْ تَمَہ ڀْرَوِشَنْتِ يے اَسَنْبُھُوْتِ مُپَا سَتّے تَتو بُھُوْ ۔ ىَ ۔ اَ ۔ اِ ۔ وَ۔ تے ۔ تَمو ۔ ىَ ۔ اَ ۔ اُ۔ سَنْبُھُوتْ يَاشْرَنَّاہ	They enter into deep blinding darkness who worship 'Asambhuti' (i.e. Nature in its original form e.g. fire,earth,air,water etc) and they are sunk in deeper darkness who indulge in 'Sambhuti' (i.e. things created out of 'Asambhuti' e.g. trees,plants,idols etc)	जो असम्भूति अर्थात प्राकृति रूप जड़ पदार्थ (अग्नि, मिट्टी,वायु आदि) की उपासना करते हैं, वे अज्ञान अंधकार में प्रविष्ट होते हैं और जो 'सम्भूति' अर्थात इन प्रकृति पदार्थों के परिणामस्वरूप सृष्टि (पेड़ पौधे मूर्तियां आदि) में रमण करते हैं वे उससे भी अधिक अंधकार में पड़ते हैं ।	यजुर्वेद(9:40)		
Awais	तमिदं निगतं सह सः एष एक एकवृदेक एव	تَمِدَمْ نِگَتَمْ سَہ سَ ايشَ ايکَ ايکَ ور ديکَ ايوَ	Only He is One, who by Himself (without being born to any one) alone is present.	केवल वह एक ही स्वयं से (बिना जन्म लिये) अकेला विधमान है	अथर्वेद 13:4:12	صرف وہ ایک ہی خود سے (بغیر جنم لیے) اکیلا موجود ہے	
Awais	न ममार न जिर्यति	نَ مَمارَ نَ جِيْرْيَتِ	He neither dies nor grows old.	वह न कभी मरता है और न कभी बूढ़ा होता है।	اتھروید 10:8:32	وہ نہ کبھی مرتا ہے اور نہ کبھی بوڑھا ہوتا ہے	
Awais	य एक इतमुष्टुहि	يَ ايکَ اِتَّ مُشْٹُہِ	He is One only. Praise only Him.	वह एक ही है उसी की प्रशंसा करो	ऋग्वेद 6:45:16	وہ ایک ہی ہے اسی کی	
Awais	मा चिदन्यद्वि शंसत्	مَا چِدَ نْيَدْ و شَنْ سَتَ	Do not deify anyone but him.	उस के सिवा किसी ओर की उपासना न करो	ऋग्वेद 8:1:1	اس کے سوا کسی غیر کی عبادت نہ کرو	
Awais	तस्य ते भक्तिवांसः स्याम	(۸) تَشْىَ تے بَھکْتِ وَانْسَہْ شْيَامَ	O God, let us be only Your devotees.	हे ईश्वर हम तेरे ही भक्त हों।	अथर्वेद 6:79:3	ترجمہ : "اے خدا ہم تیرے ہی بندے ہوں"	
Awais	एक एव नमस्यो विक्ष्ववीड्यः	(۹) ايکَ ايوَ نْمَسْيو وکْشُوٹْيَہْ	Only One God is worthy of worship and reverence by all creation.	एक ईश्वर ही उपासना के योग्य ओर सारी सृष्टि में प्रशंसा के योग्य है।	अथर्वेद 2:2:1	ترجمہ :"ایک خدا ہی عبادت کے لائق اور سبھی مخلوقات میں حمد کے قابل ہے"	
Awais	यो मामजमनादिं च वेत्ति लोकमहेश्वरम् । असंमूढः स मर्त्येषु सर्वपापैः प्रमुच्यते ।।3।।	**yo mam ajam anadim ca vetti loka-mahesvaram asammudhah sa martyesu sarva-papaih pramucyate**	He who knows Me as the unborn, as the beginningless, as the Supreme Lord of all the worlds-he, undeluded among men, is freed from all sins.	जो मुझको अजन्मा अर्थात् वास्तव में जन्मरहित, अनादि और लोकों का महान ईश्वर तत्त्व से जानता है, वह मनुष्यों में ज्ञानवान् पुरुष सम्पूर्ण पापों से मुक्त हो जाता है	Gita 10:3		
Awais	यः शास्त्रविधिमुत्सृज्य वर्तते कामकारतः । न स सिद्धिमवाप्नोति न सुखं न परां गतिम्	**yah sastra-vidhim utsrjya vartate kama-karatah na sa siddhim avapnoti na sukham na param gatim**	Having cast aside the injunctions of the scriptures, he who acts in an arbitrary way according to his own sweet will neither attains perfection nor the supreme goal nor even happiness	जो पुरुष शास्त्र विधि को त्याग कर अपनी इच्छा से मनमाना आचरण करता है, वह न सिद्धि को प्राप्त होता है, न परमगति को और न सुख को ही	Gita 16:23		

Name of contributor	Devnagri	Translitration	Translation English	Translation Hindi	Refrence	Urdu Translation	Corosponding Ayah/Hadees
Awais	तस्माच्छास्त्रं प्रमाणं ते कार्याकार्यव्यवस्थितौ । ज्ञात्वा शास्त्रविधानोक्तं कर्म कर्तुमिहार्हसि	**tasmac chastram pramanam te karyakarya-vyavasthitau jnatva sastra-vidhanoktam karma kartum iharhasi**	Therefore, the scripture alone is your guide in determining what should be done and what should not be done. Knowing this, you ought to perform only such action as is ordained by the scriptures.	इससे तेरे लिये इस कर्तव्य और अकर्तव्य की व्यवस्था में शास्त्र ही प्रमाण है। ऐसा जानकर तू शास्त्रविधि से नियत कर्म ही करने योग्य है	Gita 16:24		
Awais	तमेव शरणं गच्छ सर्वभावेन भारत । तत्प्रसादात्परां शान्तिं स्थानं प्राप्स्यसि शाश्वतम्	**tam eva saranam gaccha sarva-bhavena bharata tat-prasadat param santim sthanam prapsyasi sasvatam**	Take shelter in Him alone, with all your being, Arjuna. By His mere grace you shall attain supreme peace and the eternal state.	हे भारत[1] ! तू सब प्रकार से उस परमेश्वर की ही शरण में जा। उस परमात्मा की कृपा से ही तू परम शान्ति को तथा सनातन परम धाम को प्राप्त होगा	Gita18:62		
Awais	सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज । अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुच:	**sarva-dharman parityajya mam ekam saranam vraja aham tvam sarva-papebhyo moksayisyami ma sucah**	Resigning all your duties to Me, the all-powerful and all-supporting Lord, take refuge' in Me alone. I shall absolve you of all sins, worry not.	सम्पूर्ण धर्मों को अर्थात् सम्पूर्ण कर्तव्य कर्मों को मुझमें त्याग कर तू केवल एक मुझ सर्वशक्तिमान, सर्वाधार परमेश्वर की ही शरण में आ जा। मैं तुझे सम्पूर्ण पापों से मुक्त कर दूँगा, तू शोक मत कर	Gita 18:66		
Awais	अव्यक्तं व्यक्तिमापन्नं मन्यन्ते मामबुद्धय: । परं भावमजानन्तो ममाव्ययमनुत्तमम्	**avyaktam vyaktim apannam manyante mam abuddhayah param bhavam ajananto mamavyayam anuttamam**	Not knowing me unsurpassable and undecaying supreme nature, the ignorant believe Me, the supreme spirit beyond the reach of mind and senses, the embodiment of truth, knowledge and bliss, to have assumed a finite form through birth (as an ordinary human being)	बुद्धिहीन पुरुष मेरे अनुत्तम अविनाशी परम भाव को न जानते हुए मन-इन्द्रियों से परे मुझ सच्चिदानन्दघन परमात्मा को मनुष्य की भाँति जन्म कर व्यक्ति भाव को प्राप्त हुआ मानते हैं	Gita 7:24		
Awais	ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं । भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् ॥	**Om Bhoor Bhuwasswaha. Tat sawitur varennyam. Bhargo devasya dhi mahi dhiyo yonah prachodayat**	We meditate upon the light of Adorable, Radiant God, Who may direct us to the right path. So what we should say after listening to this. Amen Aameen or tathastu.		Rig veds 3:62: 10		
Awais	समानो मन्त्रः समिति समानी समानं मनः सह चित्तमेषाम्	**Samano mantrah samiti samani samanam manah sah chitta mesham**			ऋग्वेद 10/191/3		